



Literacy for a Billion

Movie: Asoka

Year: 2001

ओ रे काँची
ओ रे काँची ...

ओ रे काँची
काँच की गुड़िया
होंठों में बाँधे
प्रेम की पुड़िया
ना उसे खोले
ना मुँह से बोले
पलकों पे रखके
आँखों से तोले

ना उसे खोले
ना मुँह से बोले
पलकों पे रखके
आँखों से तोले

सुनियो सुनियो
सुनियो सुनियो
मिसरी से मीठी
आँखों में बंद है
बातें रसीली

ना उन्हें खोले
ना मुँह से बोले
पलकों पे रखके
आँखों से तोले

पहाड़ी पार चलना है तो

Song: O Re Kanchi Kanch Ki Gudiya

Lyricist: Gulzar

पर्वत हटा दूँ
घटाओं में कहीं छुपना है तो
साबन बुला दूँ
कोई उड़ता हुआ पंछी
बता देगा ठिकाना
जहाँ से दिन निकलता है
उसी टीले पे आना
महुआ महुआ महका महका
महका महका महुआ महुआ

ओ रे काँची
काँच की गुड़िया
होंठों में बाँधे
प्रेम की पुड़िया
ना उसे खोले
ना मुँह से बोले
पलकों पे रखके
आँखों से तोले

तेरा कोई परिचय हो तो
ए सुंदरी बता दे
बड़ी मीठी तेरी मुस्कान है
मुंदरी बना दे
हे परदेसी मुझे भूल जाएगा
कहीं पे
दे वचन मैं पहन लूँ उसे
गहना समझ के

महुआ महुआ महका महका

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.



Literacy for a Billion

महका महका महुआ महुआ

ओ रे काँची
काँच की गुड़िया
होंठों में बाँधे
प्रेम की पुड़िया
ना उसे खोले
ना मुँह से बोले
पलकों पे रखके
आँखों से तोले

सुनियो सुनियो
मिसरी से मीठी

आँखों में बंद है
बार्ते रसीली

हाँ
ना उन्हें खोले
ना मुँह से बोले
पलकों पे रखके
आँखों से तोले

ना उन्हें खोले
ना मुँह से बोले
पलकों पे रखके
आँखों से तोले

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.